विपश्यना : लोकमत

भाग -२

विपश्यना विशोधन विन्यास

विपश्यना : लोकमत

भाग - २

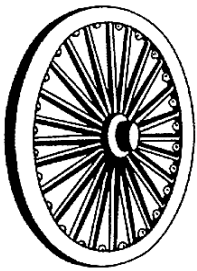

विपश्यना विशोधन विन्यास
धम्मगिरि, इगतपुरी

H31 - विपश्यना : लोकमत भाग - २

© ivpÎynA ivÕoDn iv®yAs
svAiDkþAr sriöt

ápTm s‰kþrf : 2005
i«tIy s‰kþrf : 2008
punmªuf : 2012 Sg‰t 2015, jn 2017

मूल्यः ७०/-

ISBN 81-7414-262-2

प्रकाशकः
विपश्यना विशोधन विन्यास
Dýmigir, qgtpurI - 422 403
ijlA- nAiÕkþ, mhArAÏx
Pþon: 02553-244998, 244076, 244086,
244144, 244440;
Email: vri_admin@vridhamma.org
Website: www.vridhamma.org

मुद्रकः
अपोलो प्रिंटिंग प्रेस
jI-259, sIkþAPþ iIimxz, 69 am. SAy. zI. sI.,
sAtpur, nAiÕkþ-422007, mhArAÏx

विपश्यना : लोकमत

भाग - २

विषय सूची

दीर्घ शिविर में साधकों के अनुभव १
धम्मगिरि १४
शुद्ध धर्म की पावन भूमि – धम्मगिरि १४
साधना के लिए आश्रम का महत्त्व १७
साधकों के अनुभव.....२३
कल्याणकारी धर्म.....२३
भवरोगमुक्तिदायिनी धर्मौषध ३६
विपश्यना – जीवन की सार्थकता ४१
कर्म-संस्कारों का शमन ४७
व्यसनों से छुटकारा ५६
भगवान बुद्ध की मंगलकारी शिक्षा ६२
समता सुख ही सच्चा सुख ६६
धर्मचक्रप्रवर्त्तन ७१
विपश्यना – दुःखनिवारक वैज्ञानिक विधि ७५
कर्मकांड नहीं, कर्मविशुद्धि अपेक्षित ७८
तब और अब ८०
आर्यमौन का महत्त्व ८४
मन वैरी, मन मीत ९३
विपश्यना – जीवन जीने की कला ९६
चहुँ-दिस फैलें धर्म-तरंगें १०२
मैं धन्य हुआ! १०४
साक्षीभाव की पुष्टि १०६
अभ्यास की निरंतरता ही सफलता की कुंजी १०७
विपश्यना – यथाभूत-ज्ञान-दर्शन १०९
अनित्यबोध ही ज्ञानबोध ११३

शांति और सुख की साधना ११५
मंगल मैत्री का मांगलिक प्रकाश १२३
विपश्यना से सीखी मरने की कला १२३
धर्मपथिक साधे मंगल – अपना भी, दूजे का भी १२५
बच्चों में बदलाव १३५
तिहाड़ जेल से धर्माश्रम १३५
सार्वजनीन, सार्वभौम, शुद्ध धर्म की पद्धति १३७
अनमोल दस दिवस १४०
गर्भ में पड़े धर्म का बीज १४१
सत्य से साक्षात्कार १४२
भाव विभोर १४५
जेल में विपश्यना १४६
अमेरिकी जेल में विपश्यना १४९
प्रश्नोत्तर.....१५०
साधकों के प्रश्न एवं गुरुजी के मंगलकारी उत्तर १५०